



Head Constable Bhupinder Singh spreads awareness on traffic rules in Chandigarh on Tuesday. TRIBUNE PHOTO: MANOJ MAHAJAN

UT cop on song to sensitise people to road safety

AMIT SHARMA
TRIBUNE NEWS SERVICE

CHANDIGARH, MAY 1

“Sadka te kai sapne choor hunde dekhe ne, apne to apne dur hunde dekhe ne” (I have seen many dreams being shattered on roads and people losing their loved ones). This is not a song by some Punjabi singer, but by a UT cop posted in the traffic wing, who has penned down the lyrics and sung the song

to sensitise motorists to road safety and traffic rules.

Singing songs at various police functions and public gatherings is an innovative way devised by Head Constable Bhupinder Singh to spread awareness among the masses.

In the past over two years since Bhupinder got posted in the traffic wing, he has written 15 songs on road safety.

Bhupinder, who has been interested in music and

singing since his younger days, says music has a lot of influence on an individual's life, especially that of the youth, following which he decided to constructively utilise his talent and pen down songs to sensitise them to road safety.

There is a wide range of songs written by Bhupinder that emphasises on various important issues, including safe driving, encouraging women to wear helmets and

say no to drunken driving.

The latest song Bhupinder came up with is “bina gal te horn kyu bajaye janda hae” (why are you honking without any reason) to support the ongoing campaign of the traffic police against honking in the city. However, that's not the end. The talented cop is soon coming up with a song on wrong parking in the city. “I have many ideas in my mind and will keep writing

songs on social issues that benefit society,” he says.

A few of Bhupinder's songs are also available as caller tunes. SSP (Traffic and Security) Shashank Anand is also an admirer of Bhupinder's songs and has Bhupinder's song as a caller tune on his official number.

Bhupinder also performed during the 29th Road Safety Week, observed by the Chandigarh Police recently.



साइबर क्राइम की 16 महीनों में 3089 शिकायतें, डीएसपी ने कहा प्लीज बिवेयर

▶▶ दैनिक सवेरा व पुलिस की अपील, किसी को न बताएं अपनी पर्सनल डिटेल्स

▶ सबसे ज्यादा एटीएम डिटेल्स हाथिल कर धोखाधड़ी की शिकायतें

चंडीगढ़, 1 मई (सुना): साइबर क्राइम की बढ़ रही घटना शहर में एक चिंता का विषय बन गया है। इस घटना को लेकर दैनिक सवेरा ने डीएसपी साइबर क्राइम रश्मि यादव से खास मुलाकात की और लोगों को किस तरह से साइबर क्राइम से सावधान रहने के बारे में चर्चा की। डीएसपी ने दैनिक सवेरा के जरिए लोगों से अपील की किसी से भी अपनी पर्सनल डिटेल्स शेयर न करें। इसमें चाहे कोई आफ्फ बैंक खाता नंबर मंगे, या एटीएम नंबर/पिन, क्रेडिट कार्ड नंबर/पिन या फिर कोई और डिटेल्स।

अंकों के हिसाब से एटीएम क्लोनिंग की साल 2017 व 2018 में अब तक कुल 420 व 305 शिकायतें साइबर सेल को मिली थी। ऑनलाइन ट्रांजैक्शन/एटीएम पिन चूड़ कर ठगी मारने वाली कंप्लेंटें 680 व 225 मिल चुकी हैं। क्राड्स एप, इमो, मैसेंजिस के जरिए धमकाकर रुपए ऐंडने वाली 233 व 65 मिली हैं। फेसबुक, इंस्टाग्राम, फेक आईडी से चीटिंग की 222 व 50 शिकायतें मिली हैं। जीमेल हैक, टवीटर/स्काइप के जरिए ठगी की शिकायतें 80 व 45 मिली हैं। वॉक्सडिस्ट हेकिंग, ओलएक्स/क्वीकर/यूट्यूब की शिकायतें 2017 में 34 व 2018 में 15 मिली हैं। विदेश में जॉब लगवाने/वर्क परमिट दिलाने के नाम पर 43 व 15। लाटरी व ड्रॉ के नाम पर चीटिंग की 2017 में 25 व 2018 में 20। लोन दिलाने के नाम पर 45 व इस साल 25। टेवल एजेंसी व अन्य सुविधाएं देने के नाम पर चीटिंग की 70 व इस साल 15। एलआईसी व



साइबर सेल की डीएसपी रश्मि यादव।

टॉवर लगाने के नाम पर साल 2017 व 2018 में 80 व 10 शिकायतें मिली थी। मिस्गि मोबाइल फोन/ लैपटॉप की 2017 में 10 व इस साल 4। डाटा चोरी व मिसवूज डाटा की 50 व 8 मिली थी। इसके अलावा अन्य तरीकों से ठगी की 2017 में 250 व साल 2018 में 45 शिकायतें साइबर सेल को रिसीव हुई थी। कुल 3089 शिकायतें में से 1908 डिस्पोज ऑफ हो चुकी हैं और 1181 शिकायतें अभी अंडर इन्वरी है। 16 महीनों में कुल 50 केस रिविस्टड हुए हैं। 11 केस सॉल्व कर 29 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। 39 केसों की जांच जारी है।

एटीएम क्लोनिंग क्रेडिट व डेबिट कार्ड

एटीएम क्लोनिंग को ज्यादातर हैकर आफ्फें रैकी करते हैं और फिर एटीएम के अंदर जब कोई जाता है तो वो किसी तरह से एटीएम मशीन तक हैक कर आफ्फें एटीएम से रुपए निकाल लेते हैं। सुझाव: इन शिकायतों पर डीएसपी साइबर सेल रश्मि यादव ने कहा कि जब भी आप लोग एटीएम में जाते हैं तो अपने आसपास ध्यान रखें कि कोई आफ्फा एटीएम पिन तो नहीं देख रहा। इनका कहना है कि हमेशा एटीएम में किसी के साथ अंदर न जाएं।

जॉब दिलाने/वर्क परमिट दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी

जॉब दिलाने व वर्क परमिट दिलाने का तालव देकर धोखाधड़ी की शिकायतें भी साइबर सेल के पास आ रही हैं। सुझाव: रश्मि यादव ने कहा कि वर्क परमिट लेने से पहले उसकी जांच पड़ताल कर लें कि कहीं वो फर्जी तो नहीं। अगर वो आपको झांसा या तालव देता है तो उसके बंगुल में न फंसे। अगर उस पर आपको शक होता है तो साइबर सेल को सूचना दें।

लोन दिलाने के नाम पर, एलआईसी के नाम पर भी ठगी

लोन दिलाने व एलआईसी पॉलिसी का क्लेम देने के नाम पर भी ठगी हो रही है। इस संबंध में डीएसपी ने कहा कि लोन लेने हो तो सीधा बैंक में जाकर पूरी जांच पड़ताल करें। अगर आपको कोई फोन पर झांसा देता है तो उसकी बातों में न आएँ और अगर वो नहीं मानता तो पुलिस को शिकायत दें।

ऑनलाइन ट्रांजैक्शन/एटीएम पिन चूड़ना

बैंक से बोल रहा हूँ, आफ्फा एटीएम बंद होने वाला है कहकर ठग आपके एटीएम की जानकारी लेने के बाद ऑनलाइन ठगी कर लेता है। सबसे ज्यादा यही शिकायतें मिल रही हैं। सुझाव: डीएसपी ने कहा कि कभी भी कोई बैंक आपसे फोन कर आपके बैंक खाते या फिर एटीएम की डिटेल्स नहीं लेता। इसलिए उनका कहना है कि अगर इस तरह की ठगी से बचना हो तो किसी को भी अपनी बैंक डिटेल्स, एटीएम डिटेल्स या फिर कोई और पर्सनल डिटेल्स न दें।

फेसबुक, जीमेल, इंस्टाग्राम, यूट्यूब से ठगी

फेसबुक, जीमेल इंस्टाग्राम, यूट्यूब या फिर अन्य किसी भी सोशल साइट्स के जरिए भी साइबर सेल को ठगी की शिकायतें मिल रही हैं। सुझाव: डीएसपी ने कहा कि इस तरह की ठगी से बचने के लिए आप लोग फेसबुक पर अपनी लोकेशन न अपलोड करें। अपनी ऐसी कोई भी अहम जानकारी उस पर न डालें जिससे की हैकर/ठग की आपकी आई.डी पर नजर हो। ऐसा करने से इस तरह की ठगी से बचा जा सकता है।

लोगों से यही अपील करती हूँ कि किसी को भी अपनी पर्सनल डिटेल्स न दें। इसके अलावा अपनी बैंक में अपनी पासबुक भी अपडेट रखें और अगर कुछ समझ न आए तो सिर्फ बैंक में जाकर ही जानकारी जुटाएं। फेसबुक या अन्य सोशल साइट्स पर भी अपनी लोकेशन या फिर अपनी कोई पर्सनल इन्फॉर्मेशन शेयर न करें। इसके अलावा जब आप अपने कार्ड से स्वाइप कर पेट्रोल डलवाते हैं या फिर किसी प्रकार की शॉपिंग करते हैं तो वहां भी अलर्ट रहें।

रश्मि यादव, डीएसपी साइबर क्राइम।





**FRAUD
ALERT**

Dear ATM card holder,

Bank never ask for your ATM/Debit/Credit card number, PIN number, OTP number etc over phone. If someone calls and claims that they are from your bank, ask for your bank confidential information to link your card with Aadhar card, renew your ATM card & some other reason than never share such confidential details as they are not from your bank but fraudsters who may withdrawal money from your account fraudulently. Kindly inform the police immediate about such persons/callers.

**Cyber Crime Investigation Cell,
Chandigarh Police**

BE AWARE OF !



Never Disclose Your Bank Details